वार्षिकः पाठ्यक्रम (सत्र 2018–19)
कक्षा–आठवीं विषय : हिन्दी
(प्रतिभा समूह)

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2018 से सितम्बर, 2018 तक)

	विषयवस्तु	अधिगम–संप्राप्ति
बसंत	• **ध्वनि** (कविता) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	● उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
	• **लाख की चूड़ियाँ** (कहानी) कामतानाथ	● कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं। लघु और कुटीर उद्योग की लुप्तप्राय स्थिति के बारे में बताते है|
	• **बस की यात्रा** (व्यंग्य) हरिशंकर परसाई	• व्यंग्य विधा से परिचित होते हैं| ● पाठ्य वस्तुओं को पढ़कर उसकी बारीकी से जाँच करते हैं,विशेष बिन्दुओं को खोजते हैं, अनुमान लगाते हैं तथा निष्कर्ष निकालकर अपने दैनिक जीवन से जोड़ते है।
	• **दीवानों की क्या हस्ती** (कविता) भगवतीचरण वर्मा	● उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
	• **चिट्ठियों की अनूठी दुनिया** (निबंध) अरविन्द कुमार सिंह	● उचित आरोह–अवरोह के साथ **निबंध** का भावानुकूल वाचन करते हैं। **निबंध** में वर्णित पात्रों और स्थितियों से स्वयं को सम्बद्ध करते हुए अपनी कल्पना के आधार पर **विषय** को आगे बढ़ाते हैं। विज्ञापनपरक, कल्पनामिश्रित अन्य **पाठों** को पढ़ने का प्रयास करते हैं।
	• **चिट्ठियां** (कविता) रामदरश मिश्र **(केवल पढने के लिए)**	● उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।

	• **भगवान के डाकिए** (कविता) रामधारी सिंह दिनकर	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
	• **क्या निराश हुआ जाए** (निबंध) हजारी प्रसाद द्विवेदी	• उचित आरोह–अवरोह के साथ **निबंध** का भावानुकूल वाचन करते हैं। **निबंध** में वर्णित पात्रों, घटनाओं और स्थितियों से स्वयं को सम्बद्ध करते हुए अपनी वैचारिक अभिव्यक्ति का विकास करते हैं।
	• **यह सबसे कठिन समय नहीं है** (कविता) जया जादवानी	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
	सामान्य अधिगम बिंदु	• अपने आसपास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभवों के विषय में बातचीत करते हैं और साथ के परिवेश से जुड़ते हैं। • अपने अनुभवों को अपनी भाषा–शैली में लिखते हैं। • यति, गति, लय,आरोह, अवरोह, प्रवाह के साथ पाठ का सस्वर, मौन, अनुकरण व आदर्श वाचन करेंगे। • **अपनी** कल्पना से मौलिक रचना करते हैं। • प्रकृति, सामाजिक और अन्य संवेदनशील मुद्दों को समझते हैं, उस पर चर्चा करते हैं तथा विचार व्यक्त करते हैं। • विभिन्न प्रकार की कविताओं एवं कहानियों मे आए सामाजिक तथा संवेदनशील मुद्दों को समझते, बातचीत करते हैं। • पाठ को उचित हाव–भाव के अनुसार **सुनते** तथा सुनाते हैं।
भारत की खोज	• अहमदनगर का किला • तलाश • सिन्धु घाटी की सभ्यता	• **ऐतिहासिक तथ्यों से परिचित होंगें**। • पाठ के वाचन, अनुच्छेद पठन तथा लेखन का अभ्यास करेंगे। • शब्द, अर्थ आदि के साथ योग्यता का विकास होगा। • पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए प्रश्न बनाते व पूछते हैं। • पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझते तथा उसे 3–4 वाक्यो मे लिखने का प्रयास करते हैं।

व्याकरण	• वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास • वचन • संज्ञा एवं सर्वनाम–परिभाषा, भेद, उदाहरण तथा प्रयोग • वाक्यांश के लिए एक शब्द • पर्यायवाची शब्द	• भाषा एव ंभाषाई अवयवों से परिचित होंगे तथा प्रयोग करेंगे। • श्रुतलेख, आलेख का अभ्यास करेंगे। • भाषा गत बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने व लिखने में प्रयोग करते हैं। • दिए गए शब्दों को वर्ण क्रमानुसार व्यवस्थित कर सकते हैं तथा उनका प्रयोग सुनिश्चित कर सकते हैं। • विलोम, पर्यायवाची, समानार्थी का आशय ग्रहण कर सकते हैं।
पत्र लेखन	• औपचारिक पत्र लेखन • अनौपचारित पत्र लेखन (छात्रों की आवश्यकता एवं रुचि के अनुसार) यथा मित्र एवं सम्बन्धी को पत्र/दैनिक जीवन में उपयोगी औपचारिक पत्र	• औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्र का अर्थ तथा प्रारूप को समझते है ं तथा लेखन का अभ्यास करेंगे।
निबंध	• छात्रों की रूचि, अवसर,अधिगम,आवश्यकता के अनुसार राष्ट्रीय पर्वों/समय के महत्व आदि पर निबन्ध लेखन	• विभिन्न स्थितियों एवं लेखन स्वरूप के अनुसार अपने अनुभव को 8–10 वाक्यों मे ंलिखेंगे। • जीवन की अभिव्यक्ति को लेखन तक लाएँगे। • राष्ट्रीय पर्वों के बारे में जानकारी करते हुए अभिव्यक्ति तथा लेखन करेंगे।

पुनरावृति
मध्यावधि परीक्षा

द्वितीय सत्र (अक्टूबर, 2018 सेमार्च, 2019 तक)

	विषयवस्तु	अधिगम–संप्राप्ति
बसंत	• **कबीर की साखियाँ** (कविता) कबीर	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं। अपने आसपास के वातावरण और जीव–जंतुओं का विश्लेषण और संरक्षण सक्रिय रूप से करते हैं।
	• **कामचोर** (कहानी) इस्मत चुगताई	• कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं।
	• **जब सिनेमा ने बोलना सीखा** (आलेख) प्रदीप तिवारी	• **आलेख को पढना और लिखना समझेंगे**। • पाठको पढ़कर प्रतिक्रिया व्यक्त करते है ंतथा शब्दों को अर्थ के अनुसार समझते हैं। • अपने आसपास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभवों के विषय में बातचीत करते हैं और साथ के परिवेश से जुड़ते हैं। भारतीय सामाजिक जीवन में सिनेमा के महत्त्व और प्रभाव को बताते हैं|
	• **कंप्यूटर गाएगा गीत** (आलेख) ऋत्विक घटक	• आलेख के प्रारूप से परिचित होते हुए उचित आरोह–अवरोह के साथ वाचन करते हैं। आलेख में वर्णित विषय, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं।
	• **सुदामाचरित** (कविता) नरोत्तम दास	• यति, गति, लय, आरोह, अवरोह, प्रवाह के साथ पाठ का सस्वर, मौन, अनुकरण वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं। मित्रता के महत्त्व को बताते हैं|
	• **जहाँ पहियाहै** (रिपोर्ताज) अनुवाद पी. साईंनाथ	• रिपोर्ताज की विधा से परिचित होते हुए उचित आरोह–अवरोह के साथ वाचन करते हैं। रचनात्मक लेखन व आँखों देखी घटनाओं का वर्णन करने में समर्थ होते हैं|

	• **पिता के बाद** (कविता) मुक्ता **(केवल पढने के लिए)**	• कविता का उचित–आरोह और लय के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। अपनी कल्पना शक्ति का विकास करते हुए कविता के मूल भाव को समझकर कविता–लेखन में प्रवृत्त होते हैं। • अपने जीवन में भाषा और लिपि के महत्व को समझते हैं। कविता में वर्णित तथ्यों का अपनी सहज बुद्धि और ज्ञान के आधार पर विश्लेषण करते हैं।
	• **अकबरी लोटा** (कहानी) अन्नपूर्णानंद वर्मा	• कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं। • विभिन्न प्रकार की कविताओं एवं कहानियों में आए सामाजिक तथा संवेदनशील मुद्दों को समझते, बातचीत करते हैं।
	• **सूर के पद** (कविता) सूरदास	• यति, गति, लय, आरोह, अवरोह, प्रवाह के साथ पाठ का सस्वर, मौन, अनुकरण वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
	• **पानी की कहानी** (निबंध) रामचंद्र तिवारी	• उचित आरोह–अवरोह के साथ **निबंध** का भावानुकूल वाचन करते हैं। **निबंध** में वर्णित विचारों , घटनाओं और स्थितियों से स्वयं को सम्बद्ध करते हुए अपनी कल्पना के आधार पर कहानी को आगे बढ़ाते हैं। पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को समझते हुए इसके लिए अपने स्तर पर सक्रिय प्रयास करते हैं। विज्ञापनपरक, कल्पनामिश्रित अन्य **पाठों** को पढ़ने का प्रयास करते हैं। पानी के महत्त्व को समझते हैं।
	• **हम पृथ्वी की संतान** (आलेख) प्रभु नारायण **(केवल पढने के लिए)**	• पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझते तथा उसे 3–4 वाक्यो में लिखने का प्रयास करते हैं।
	• **बाज और साँप** (कहानी) निर्मल वर्मा	• कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं। • कहानी के माध्यम से नैतिक मूल्यों को समझते एवं उनका अनुप्रयोग करते हैं।
	• **टोपी** (कहानी) सृंजय	• कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी

		कल्पना का विकास करते हैं। • कहानी के माध्यम से नैतिक मूल्यों को समझते एवं उनका अनुप्रयोग करते हैं|
	(प्रथम सत्र से पुनरावृत्ति) • भगवान के डाकिए बस की यात्रा	
भारत की खोज	• नई समस्याएँ • अन्तिम दौर • तनाव • दो पृष्ठभूमियाँ • उपसंहार	• ऐतिहासिक तथ्यों से परिचित होंगें। • पाठ के वाचन, संवाद, अनुच्छेद पठन तथा लेखन का अभ्यास करेंगे। • यति, गति, लय, शब्द, अर्थ आदि के साथ योग्यता का विकास होगा।
व्याकरण	• रचना के आधार पर वाक्य भेद • अर्थ के आधार पर वाक्य भेद • उपसर्ग एवं प्रत्यय • विशेषण, विलोम, संज्ञा, सर्वनाम, भाषा एवं लिपि की पुनरावृत्ति	• भाषा एवं भाषाई अवयवों से परिचित होंगे तथा प्रयोग करेंगे। • श्रुतलेख, आलेख का अभ्यास करेंगे। • भाषागत बारीकियों को ध्यान में रखते हुए उनका बोलने व लिखने में प्रयोग करतेहैं। • दिए गए शब्दों को वर्ण क्रमानुसार व्यवस्थित कर सकते हैं तथा उनका प्रयोग सुनिश्चित कर सकते हैं। • विलोम, पर्यायवाची, समानार्थी का आशय ग्रहण कर सकते हैं।
पत्र लेखन	• छात्रों की रूचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर औपचारिक/अनौपचारिक पत्र (परिश्रम का महत्व)	• औपचारिक पत्र का अर्थ तथा प्रारूप को समझते एवं लिखने में सक्षम होते हैं| • विभिन्न प्रकार के औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों का अभ्यास करते हैं|
निबंध	• छात्रों की रूचि, अवसर, अधिगम, आवश्यकता के अनुसार निबन्ध लेखन	• विभिन्न स्थितियों एवं लेखन स्वरूप के अनुसार अपने अनुभवको 8–10 वाक्यों में लिखेंगे। • जीवन की अभिव्यक्ति को लेखन तक लाएँगे। • राष्ट्रीय पर्वों के बारे में जानकारी करते हुए अभिव्यक्ति तथा लेखन करेंगे।

पुनरावृति
वार्षिक परीक्षा